मेकल मीमांसा

ISSN 0974-0118

अंतरअनुशासनात्मक डबल ब्लाइंड पीयर रिव्यूड, यूजीसी केयर सूचीबद्ध अर्धवार्षिक शोध पत्रिका

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, अनूपपुर, मध्य प्रदेश

लेखकों हेतु सामान्य निर्देश

1. अपना शोधपत्र यूनिकोड फॉण्ट में कोकिला 16 फॉण्ट साइज़ में टंकित कर दिए हुए मेल पते पर ई-मेल करें |
2. शोध पत्रों में सन्दर्भों का उपयोग स्पष्टता से और मानक के अनुरूप करें तथा सन्दर्भ हेतु ए.पी.ए. (छठवां संस्करण) शैली का अनुपालन करें | यह अनुपालन सामग्री के मध्य एवं एंड नोट आदि सभी प्रयोगों में अनिवार्य है | कृपया इसपर विशेष ध्यान दें अन्यथा आपका शोधपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा | **सन्दर्भों को अंत में प्रस्तुत करते समय उस क्रम का अनुपालन करें जिस क्रम में वह लेख के अंदर दिए गए हैं** |
3. शोधपत्र के आरंभ में अधिकतम 250 शब्दों का शोध-सारांश, पांच बीज शब्द और लेख के अंत में निष्कर्ष अवश्य लिखें |
4. शोध पत्र हेतु कोई औपचारिक अधिकतम शब्द सीमा निर्धारित नहीं की गयी है किन्तु लेखकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह विषय को पूर्णता के साथ प्रस्तुत करेंगे | पत्रिका 5000 अथवा उससे अधिक शब्दों लिखित लेखों का स्वागत करती है |
5. समीक्षा लेख (रिव्यू लेख) स्पष्ट रूप से प्रस्तुत शोध प्रश्न पर आधारित होना चाहिए | इसके साथ सुस्पष्ट शोधविधि का उपयोग कर पूर्व अध्ययनों की पहचान, चयन, एवं मूल्यांकन लेख में समाहित होना चाहिए | यह प्रक्रिया केवल ख्यातिलब्ध एवं अनुभवी विद्वानों हेतु शिथिल की जा सकती है जिनसे संपादक मंडल द्वारा किसी विषय की समीक्षा एवं वर्तमान प्रवृत्तियों को रेखांकित करने हेतु लेख का आग्रह किया गया हो |
6. लेख किसी भी स्थिति में सन्दर्भ सूची को छोड़कर 3000 शब्दों से कम का नहीं होना चाहिए | इसके अतिरिक्त शीर्षक, उप-शीर्षक, लेखकों के नाम आदि विवरण, तालिका एवं चित्र तथा सारांश में प्रयुक्त शब्दों को लेख की शब्द संख्या में शामिल नहीं करना है |
7. ग्राफ़िक्स, चित्र आदि में केवल श्वेत/श्याम रंगों का उपयोग करें | पत्रिका के आंतरिक पृष्ठ केवल इन्हीं रंगों के संयोजन से तैयार होते हैं |
8. अंकों को प्रस्तुत करने हेतु रोमन अंकों का प्रयोग करें |
9. मुख्य शीर्षक के उपरांत लेखक का नाम, पद, पता आदि विवरण प्रस्तुत करें | अन्यत्र इसे नहीं दें | शोधपत्र के साथ किसी प्रकार की रेखाएं, सजावट आदि का उपयोग नहीं करें | यह लेख वापसी का कारण हो सकता है |
10. लेख का शीर्षक 18 पॉइंट बोल्ड में, अन्य शीर्षक 16 पॉइंट बोल्ड में एवं उप-शीर्षक 14 पॉइंट बोल्ड में प्रस्तुत करें |
11. तालिका शीर्षक/चित्र परिचय तालिका और चित्र के ऊपर 14 पॉइंट बोल्ड फॉण्ट में होना चाहिए |
12. प्रकाशित होने के बाद शोधपत्र पर मेकल मीमांसा का सर्वाधिकार होगा और पुनः प्रकाशन हेतु मुख्य संपादक की अनुमति अनिवार्य होगी |
13. मेकल मीमांसा लेखकीय स्वतंत्रता के सिद्धांत का अनुपालन करती है, फिर भी वाद-विवाद की स्थिति में अथवा आपत्तिजनक सामग्री, अपुष्ट सामग्री के सन्दर्भ में मुख्य संपादक का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा |

14. मेकल मीमांसा साहित्यिक चोरी की निंदा करता है एवं लेखकों से उच्चतम लेखकीय आदर्शों के अनुपालन की अपेक्षा रखता है |
15. कहीं और प्रकाशित अंग्रेजी लेखों का हिंदी अनुवाद लेख के रूप में प्रस्तुत नहीं करें | यदि ऐसे मामलों में साम्यता स्थापित होती है तो प्रकाशन निरस्त कर दिया जाएगा |
16. शोधपत्र में प्रयुक्त तालिका में तालिका शीर्षक, तालिका क्रम संख्या अवश्य दें | चित्र, तालिका, ग्राफ, कथन इत्यादि हेतु अनुमन्य शैली में सन्दर्भ अवश्य दें | इमेज फाइल में तालिका प्रस्तुत करने से बचें एवं सूचक शब्दों को भी हिंदी में प्रस्तुत करें |
17. इस बात का विशेष ध्यान रखा जाय कि अनुवाद सॉफ्टवेयर के उपयोग से भाषा और वाक्य-विन्यास से जुड़ी गलतियाँ बड़ी मात्रा में दृष्टिगोचर होती हैं | ऐसा करने से बचें |
18. पत्रिका के संचालन सम्बंधी सीमाओं के चलते हम शोध पत्र को केवल आमंत्रण में निर्धारित अवधि में ही स्वीकार करते हैं | घोषित तिथियों से इतर प्रेषित आलेखों पर विचार नहीं किया जाता |
19. घोषित तिथियों में पहले प्राप्त लेखों का मूल्यांकन पहले होता है एवं लेखों की संख्या आवश्यकता से अधिक होने पर पहले प्राप्त लेखों को प्राथमिकता दी जाती है |
20. मेकल मीमांसा में शोध पत्रों के प्रकाशन, संपादन आदि हेतु कोई शुल्क नहीं लिया जाता | पैसे के बारे में आग्रह करना लेख की अस्वीकृति का आधार हो सकता है |
21. प्रेषित शोधपत्र के मूल्यांकन की सुस्थापित प्रक्रिया का अनुपालन किया जाता है | यह समयसाध्य है | इसके अतिरिक्त हमारी प्रतीक्षा सूची भी काफी लम्बी है | हम चयनित एवं अस्वीकृत लेखों के सन्दर्भ में लेखक को समयानुसार सूचित करते हैं | इस विषय में फ़ोन अथवा ईमेल करना आवश्यक नहीं है |
22. प्रसार सम्बंधी जानकारी हेतु डॉ. गौरी शंकर महापात्र जी से मोबाइल संख्या 9123790847 पर संपर्क किया जा सकता है |
23. नियत तिथि में प्राप्त शोधपत्रों को सबसे पहले संपादक मंडल द्वारा मूल्यांकित किया जाता है | यदि शोध पत्र पत्रिका के आमंत्रण के अनुरूप पाए जाते हैं तभी उन्हें मूल्यांकन की प्रक्रिया में शामिल किया जाता है अन्यथा वापस कर दिया जाता है | प्रथम चरण में चयनित लेखों को मूल्यांकन हेतु बाह्य विशेषज्ञों के पास भेजा जाता है एवं सकारात्मक मूल्यांकन प्राप्त होने पर ही उसका प्रकाशन हेतु चयन किया जाता है | किसी लेख को अंतिम रूप से स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार मुख्य संपादक के पास सुरक्षित है |

प्रोफेसर राघवेन्द्र मिश्रा

मुख्य संपादक

ईमेल- mekalmimansa@igntu.ac.in